



गर्मी की वह रात

“प्रेषक : ऋतेश कुमार मित्रो, अंतर्वासना के लिए यह मेरी पहली कहानी है। यूं तो मैं अंतर्वासना की कहानियों को पिछले दो सालों से पढ़ रहा हूं। बहुत समय तक सोचने के बाद आज मैं अपनी एक सच्ची कहानी आप सब के साथ शेयर करना चाहता हूं। यद्यपि इस वाक्ये को दस बरस का लंबा [...] ...”

Story By: (riteshtikariha)

Posted: Sunday, January 15th, 2006

Categories: [पड़ोसी](#)

Online version: [गर्मी की वह रात](#)

गर्मी की वह रात

प्रेषक : ऋतेश कुमार

मित्रो, अंतर्वासना के लिए यह मेरी पहली कहानी है। यूं तो मैं अंतर्वासना की कहानियों को पिछले दो सालों से पढ़ रहा हूँ। बहुत समय तक सोचने के बाद आज मैं अपनी एक सच्ची कहानी आप सब के साथ शेयर करना चाहता हूँ। यद्यपि इस वाक्ये को दस बरस का लंबा समय बीत चुका है। मगर, गर्मी की उस रात का एक-एक अहसास आज भी मेरे जेहन में दर्ज है।

बात है 1999 की है, तब बारिश का मौसम चल रहा था। तब मैं 22-23 बरस का नवजवान था। 18 साल की एक प्यारी से लड़की से मेरा प्रेम संबंध चल रहा था।

सही मायनों में पहले मुझे उससे प्यार नहीं था, मैं तो बस उसे चोदना चाहता था। योजना बनाकर मैंने उसे लाईन मारना शुरू कर दिया। उसके कालेज आने जाने के वक्त मैं रास्ते में खड़े होकर उसका इंतजार करता था। वह भी मुझमें शुरू से बराबर रूचि ले रही थी।

बात आगे बढ़ी और हम दोनों के बीच प्यार की शुरूआत हो गई। धीरे-धीरे ठंठ का मौसम आने तक हमारे संबंधों में इतनी प्रगाढ़ता आ चुकी थी, कि एक दूसरे पर गहरा विश्वास कायम हो गया था। एकांत में मिलने पर मैं उसके स्तन दबाता और निप्पल चूसता !

वह काफी सेक्सी थी। किस करते समय जब मैं गर्म व गहरी सांस छोड़ता, तो वह तड़फ जाती थी। हम 15-15 मिनट के लंबे समय तक प्रगाढ़ चुम्बन करते रहते थे। यकीन मानिये आज मेरी शादी हो गई, मगर उसके अधरों से निकलने वाले उस अमृत का स्वाद कहीं और नहीं मिल पाया।

और इस तरह गर्मी का दिन आ गया। उसकी परीक्षाएं शुरू हो गईं। वह अपने कमरे में अकेली सोती थी। मैं देर रात उसके कमरे की खिड़की में कंकड़ मारकर उसे अपने आने का इशारा करता था। वह छत पर आ जाती थी। मैं भी बाहर से ही छत पर चढ़ जाता था। फिर हम दोनों एक-दूसरे में घंटों तक खोए रहते थे।

एक दिन मैंने उसे कहा- चल तेरे कमरे में चलते हैं।

उसने हां कहा और उसके कमरे में हम पहुंच गए। उसका बिस्तर कम चौड़ाई का और छोटा सा था। सामने कूलर चल रहा था। हमने कई घंटों तक एक-दूसरे से प्यार किया। पूरी तरह निर्वस्त्र हो जाने के बावजूद उसने मेरा लंड अपने अंदर नहीं घुसाने दिया। मैंने फोर्स किया, मगर उसने मेरे उस वादे की दुहाई देकर मुझे शांत करा दिया, जिसमें मैंने उससे वादा किया था, कि उसकी मर्जी के बगैर मैं उससे सेक्स संबंध स्थापित नहीं करूंगा। यद्यपि उस रात मैं दो बार झड़ा भी, और शायद वह भी झड़ी मगर अंदर घुसाने नहीं दिया। मैंने भी जिद नहीं की।

मित्रो, 2003 तक हमारे बीच प्यार चलता रहा। फिर उसकी शादी हो गई और कहानी का समापन हो गया। मगर बाद में कभी उस तरह का मौका मुझे नहीं मिल सका। वे रातें अक्सर मुझे याद आती हैं। मैं चाहता तो उसे चोद भी सकता था। किंतु मैंने ऐसा नहीं किया। अब कभी कभी मुझे रंज होता है कि काश उस रात मैंने उसका काम तमाम कर दिया होता, तो वह मुझे छोड़ कर दूसरे से शादी नहीं रचाती। किंतु मेरे मन में एक संतोष भी है कि मैंने उससे सच्चा प्यार किया है। वह आज भी जब मुझे याद करती होगी तो इज्जत व सम्मान के साथ करती होगी। क्योंकि मैंने उसका नाजायत फायदा नहीं उठाया था।

दोस्तो, अब मैं आप सब से पूछना चाहता हूं कि मेरा वह फैसला सही था अथवा नहीं।
प्लीज मुझे मेल करें

riteshtikariha@gmail.com

Other stories you may be interested in

नयी पड़ोसन और उसकी कमसिन बेटियां-4

अभी तक आपने पढ़ा कि लखनऊ के होटल के कमरे में पहली बार चुदने वाली डॉली उसके बाद मेरे घर पर और फिर अपने घर पर चुदाई का आनन्द ले चुकी थी. अब आगे : इतवार का दिन था, सुबह के [...]

[Full Story >>>](#)

चुदासी पड़ोसन भाभी को केक लगे लंड से ठोका

मेरा नाम दलजीत है. मैं दिल्ली का रहने वाला हूँ. मेरी उम्र 28 साल है और अच्छी सेहत के साथ-साथ 6 इंच लम्बे और 2 इंच मोटे लंड का मालिक हूँ। यह मेरी सच्ची कहानी है जो 2 साल पहले [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी कमसिन जवानी के धमाके-1

दोस्तो, मेरा नाम नीतू है, मेरे परिवार में सिर्फ माँ पापा और छोटा भाई हैं. पापा सरकारी नौकरी में हैं, इसलिए उनका हमेशा ट्रांसफर होता रहता है. हमारा बचपन ज्यादातर गांव में ही गुजरा, पर मेरे दसवीं के एग्जाम के [...]

[Full Story >>>](#)

पड़ोसन भाभी और मेरी वासना का परिणाम

“आज रांची में बहुत ठंड है यार ... हां भाई गर्म होते हैं ... चल सुट्टा मारते हैं.” “ठीक है चल.” “अरे मोहन भैया, दो चाय देना और दो क्लासिक देना.” “अब चल भाई शाम के 6 बज गए, घर [...]

[Full Story >>>](#)

चचेरी भाबी के बाद किरायेदार भाबी चोदी

हैलो फ्रेंड्स, मेरा नाम देव है, मैं दिल्ली से हूँ. एक बार मैं फिर से एक नई सेक्स स्टोरी लेकर हाजिर हूँ. मैंने आपको अपनी पिछली सेक्स स्टोरी भाबी जी लंड पर हैं में कैसे मैंने अपने लंड से भाबी [...]

[Full Story >>>](#)

